बिलासपुर विश्वविद्यालय

तृतीय वार्षिक प्रतिवेदन

2014-2015

विश्वविद्यालय कुलगीत

धन्य बिलासा की नगरी में, विद्या का यह पावन धाम।
ज्ञान की गंगा रहे प्रवाहित, न्याय-संस्कृति में भी नाम।।
मैकल की श्रृंखला मनोहर, वनों से आच्छादित वसुधा,
अभ्यारण उपवन कानन में, वन्य जीव रहते बहुदा,
विपुल संपदा से है पूरित, जहॉ दृश्य नयनाभिंराम।।1।।
धन्य बिलासा .....
बाणवंश, कलचुरी, मराठा, सबर जाति से अनुशासित,
जाज्वल्यदेव, कल्याण साय सा, शैव, शाक्त वैष्णव पूजित,
शबरी की पावन पहुनाई, भूले नहीं वनवासी राम।।2।।
धन्य बिलासा .....
रेवा, लोचन, भानु, विप्र-सा, सरस्वती के स्माराधक,
और चक्रधर राय सरिख, नाद बह्म के आराधक,
चितले, सप्रे, लाल बैरिस्टर, किये समर्पित तन,मन,दाम।।3।।
धन्य बिलासा .....
लोक और संगीत कला के, स्वर से अनुगुंजित अंचल,
बेली बिंझवारी, बैगानी, छत्तीसगढ़ी भाषा प्रांजल,
करमा, पंथी, सुआ, ददरिया, निगुर्णियाँ वाणी विश्राम।।4।।
धन्य बिलासा .....
चन्द्रहासिनी, महामाया संग बंजारी, ठाकुर देवता,
गंगा, भोजली और मितानी, खुरमी-ठेठरी के नेवता,
फिरे मानिचरी के मातर में, बाँकी, झाँकी ललित ललाम।।5।।
धन्य बिलासा .....
बाँगो, खूँटाघाट, खुड़िया, अरपा, केलों, लीलागर,
बेलपान, पीथमपुर ताला, दमउदहरा जहॉ आगर,
कोरबा से फैला उजियारा, चाँपा कोसा कांचन-काम।।6।।
धन्य बिलासा .....
गॉव शहर हो या वनवासी, सबकों मिले मनोंवांछित शिक्षा,
अन्तरदेशी या हो विदेशी, सर्व सुलभ, क्यों करें प्रतीक्षा,
तिमिर हरण हो समरस जन हो तब होगा सब पूरण काम।।7।।
धन्य बिलासा .....

डॉ. राजन यादव
सह प्राध्यापक हिन्दी विभाग
इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय
खैरागढ़ (छ.ग.)

कालेजों के फार्म में थर्ड जेंडर का आप्शन

बायू व तीन आटोनामस कालेजों में ग्रेडिंग और मार्क्स सिस्टम दोनों रहे

इस साल से च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम भी लागू, प्रवेश-परीक्षा भी हो सकती

BU to introduce CBCS to bring equity, efficiency and excellence in Edn system

■ Our Correspondent
BILASPUR, June 7

BILASPUR University (BU) is going to introduce University Grant Commission's Choice Based Credit System (CBCS) in three autonomous colleges namely Government Bilasa Girls P G College Bilaspur, Government E Raghvendra Rao PG Science College Bilaspur and K G College Raigarh from this academic session.

Speaking to *The Hitavada* Vice Chancellor of the BU Professor G D Sharma claims, "The BU will become first State university in Chhattisgarh from this academic session that is going to introduce the UGC's CBCS in a bid to bring equity, efficiency and excellence in the higher education system. The BU will send a proposal to the State government to introduce the UGC's CBCS in remaining colleges.

If the government gives its nod, it will be implemented in all remaining colleges of the varsity, he added.

A one day workshop on 'Choice Based Credit System' was organised by the BU at Bilasa Auditorium recently.

Over 100 participants from various colleges of the State took part in the workshop. VC Dr G D Sharma, Director of Bio-Informatic Facility Department of Life Science, Assam University Silchar Dr Mohvendra Dutta Choudhary Dr R S Kher, Dr S K Sharma, Dr S Dabhadkar and Dr D K Srivastava also addressed the workshop.

It is learnt that the UGC and Ministry of Human Resources Development, Government of India have initiated several measures to bring equity, efficiency and excellence in the higher education system.

Besides governance, other important measures have been taken to enhance academics standards and quality in higher education which include innovation and improvements in curriculum, teaching-learning process, examination and evaluation reforms.

The UGC has formulated various regulations and guidelines from time to time to improve the higher education system and maintain minimum standar and quality across the highered cational institutions in India.

The semester system accele ates the teaching-learnin process and enables vertical an horizontal mobility in learnin The credit based semester sy tem provides flexibility in desig ing curriculum and assignin credits based on the course con tent and hours of teaching. It choice based credit system pro vides a 'cafeteria' type approac in which the students can tak courses of their choice, learn a their own pace, undergo add tional courses and acquire mor than the required credits, an adopt an interdisciplinar approach to learning. Professo

"आटोनॉमी आफ द यूनिवर्सिटीज एण्ड रिलेशन विथ स्टेट" विषय पर कुलपतिगण की राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रकाशक

बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर

वेबसाईट - www.bilaspuruniversity.ac.in

ई-मेल - www.bilaspur.university2012@gmail.com

छ.ग. विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 07/2012 द्वारा स्थपित विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय अनुदान असयोग के पत्र क्र. एफ/9-8/2012 (सी.पी.पी.-1/पी.यू.) दिनांक 04.09.2012 द्वारा मान्पत्ता प्राप्त

एवं

भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ए.आई.यू.) के पत्र क्र. मीट/जी.सी./2012/331274-8 द्वारा मान्पत्ता प्राप्त विश्वविद्यालय

वह वार्षिक प्रतिवेदन बिलासपुर विश्वविद्यालय की गतिविधियों की जानकारी प्रदान करने के दृष्टिकोण से प्रकाशित किया गया है।

इसमे लिखित लेख एवं फोटोग्राफ का विश्वविद्यालय की अनुमति के बिना पत्र प्रयोग नही किया जा सकता।

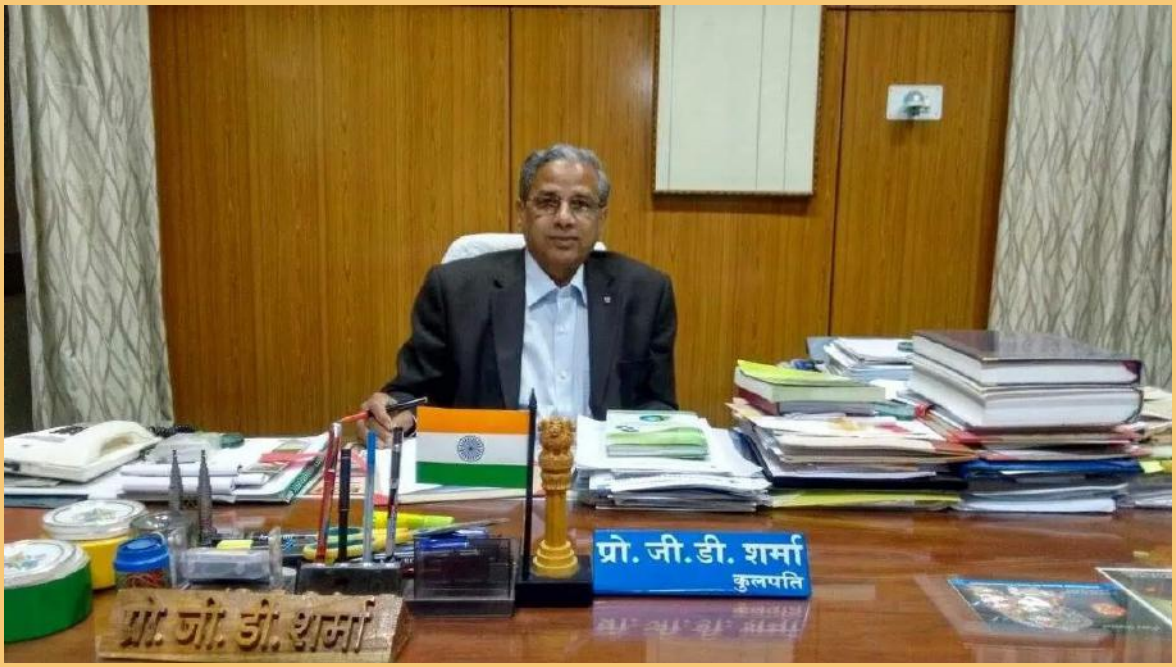

मुझे बिलासपुर विश्वविद्यालय के वर्ष 2013–14 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है। वार्षिक प्रतिवेदन एक प्रतिबिम्ब है जो गत वर्ष के शैक्षणिक एवं सह–शैक्षणिक गतिविधियों के साथ–साथ संपूर्ण विश्वविद्यालय की गतिविधियों की झलक को प्रस्तुत करता है।

वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय में विद्यापरिषद, कार्यपरिषद, प्रशासनिक समिति एवं वित्त समिति की बैठकें आयोजित हुईं, जिसमें समिति के सदस्यों द्वारा प्रशासनिक, वित्तीय एव ं शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार संबंधी निर्णय लिए गए।

वर्ष 2014–15 में विभिन्न विषयों के अध्ययन मण्डल द्वारा पाठ्यक्रमों का अवलोकन कर उसमें सुधार एवं बदलाव हेतु निर्णय लिये गए। विश्वविद्यालय द्वारा यू.जी.सी. रेग्यूलेशन 2009 के अनुसार प्री.पीएच.डी. परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा के आयोजन में विश्वविद्यालय को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। सत्र 2014–15 में विश्वविद्यालय में संकाय विकास कार्यक्रम, कौशल विकास पाठ्यक्रम, कार्यशाला एवं संगोष्ठियों का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना है। इससे सी .बी.सी.एस. प्रणाली के अन्तर्गत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी महाविद्यालय लाभान्वित होंगें।

वर्तमान सत्र में विश्वविद्यालय ने अपने तीन वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। आगामी सत्र में विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह का आयोजन प्रस्तावित है। वर्तमान सत्र में माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय जी ने चिप्स के सहयोग से ''स्टुडेन्ट्स लाईफ सायकल'' कार्यक्रम को विश्वविद्यालय में संचालित करने हेतु उसका उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के माध्यम से गुणवत्ता में सुधार एवं सभी को समान अवसर प्रदान करने हेतु प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापकों के माध्यम से विश्वविद्यालय विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है।

वर्तमान सत्र में शासकीय ई.राघवेन्द्र राव स्नात्कोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर को नैक मूल्यांकन में **"ए"** ग्रेड प्राप्त हुआ है, साथ ही विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कुछ अन्य महाविद्यालयों को भी नैक द्वारा "ए" ग्रेड प्राप्त हुआ है, जो छत्तीसगढ़ राज्य में सतत् उच्च शिक्षा में सुधार हेतु विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का परिणाम है। विश्वविद्यालय से संबद्ध स्वशासी महाविद्यालयों में भी सी. बी. सी. एस के अन्तर्गत कौशल विकास कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा समुदाय जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वच्छ भारत अभियान, योग एवं समसामयिक विषयों पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन पूरे सत्र में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं विश्वविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों को प्रचारित करने में स हायक होगा। मैं उन सभी महाविद्यालयों को बधाई देता हूँ जिन्होनें नैक मूल्यांकन की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण कर अच्छा ग्रेड प्राप्त किया है। मैं विश्वविद्यालय के सभी विभागों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ जिन्होनें अपने अथक प्रयास से इस नए विश्वविद्यालय को नई ऊंचाईयों तक पहुँचाने में प्रयास कर सहयोग प्रदान किया।

(प्रो. जी.डी. शर्मा)
कुलपति

विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

परीक्षा परिणाम 2014–15

प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर

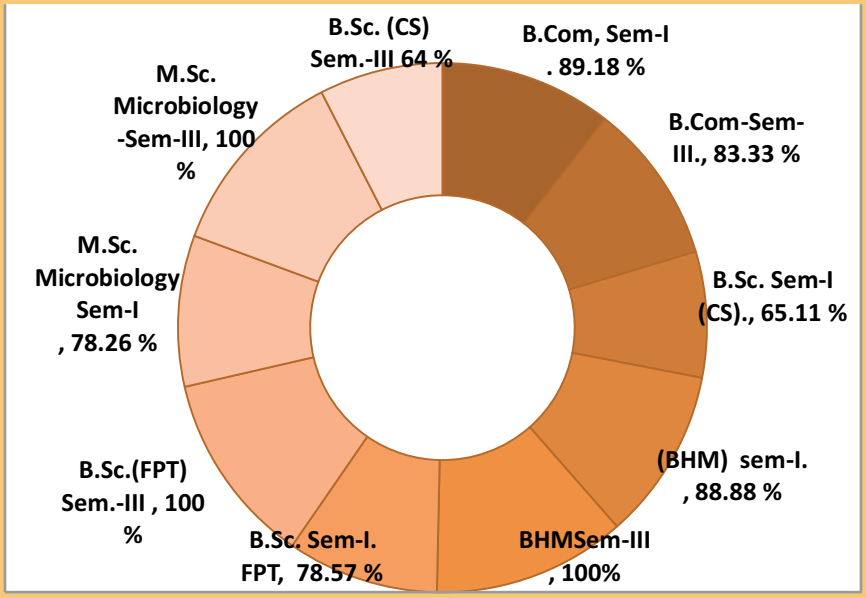

द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर

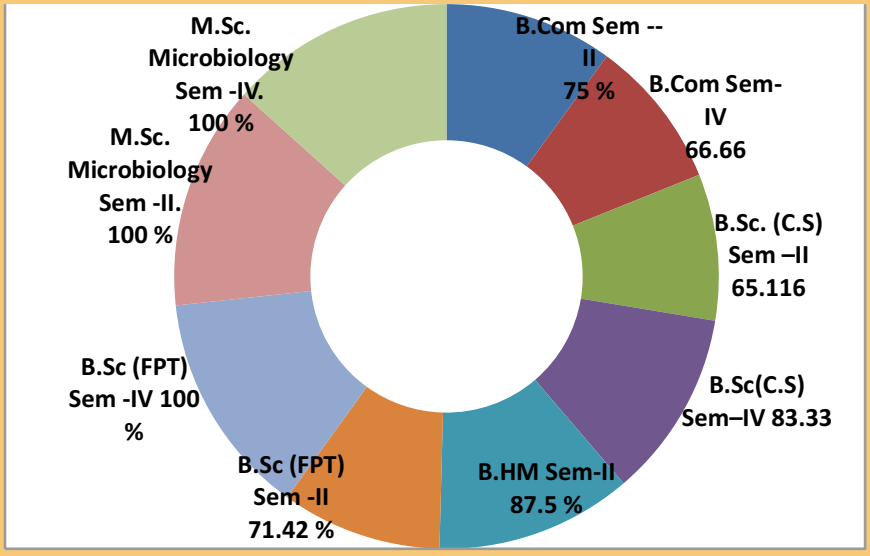

अनु.जाति/अनु.जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/सामान्य वर्ग के छात्रों का अनुपात

विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग

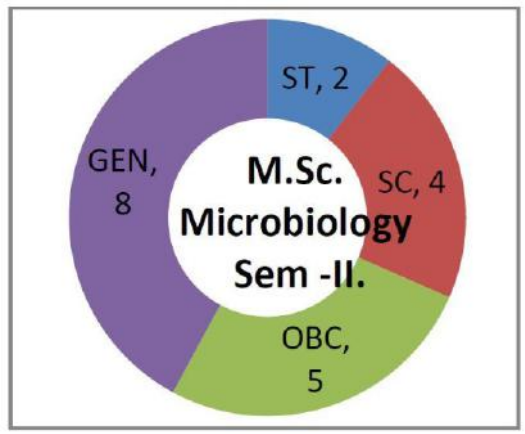

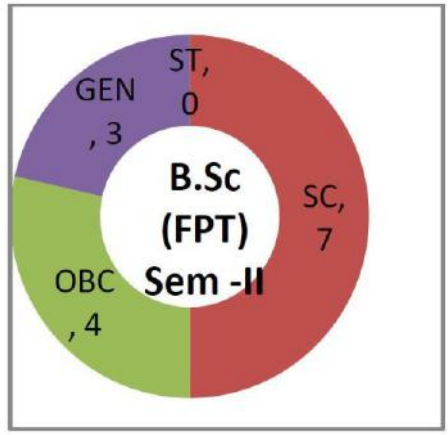

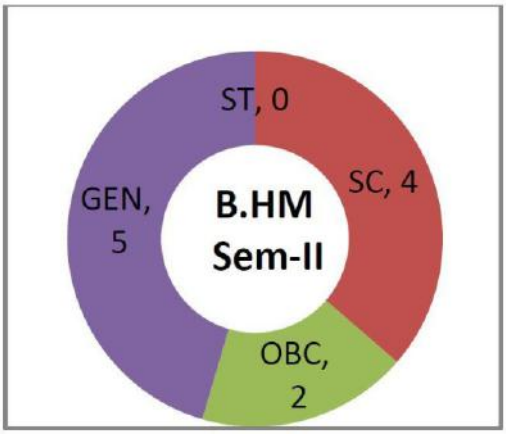

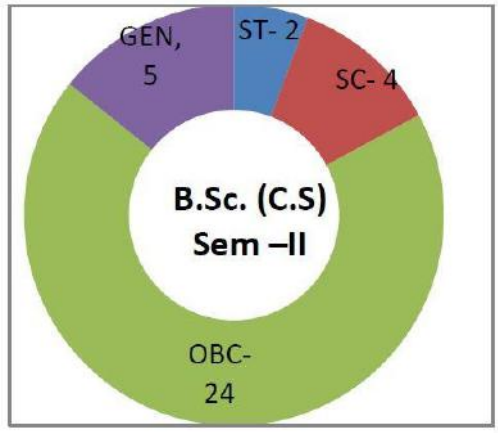

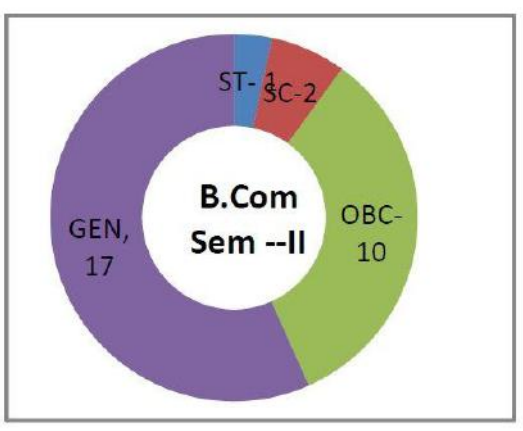

विश्वविद्यालय का प्रथम छात्र–संघ चुनाव

सत्र 2014–15 का विश्वविद्यालय छात्र–संघ चुनाव ई. यशवंत कुमार सहायक प्राध्यापक खाद्य प्रसंस्करण एवं प्रौद्यागिकी विभाग के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस चुनाव में विश्वविद्यालय के अंन्तर्गत 112 महाविद्यालय में (बिलासपुर जिले के 31, मुंगेली जिले के 9, जाँजगीर–चाम्पा जिले के 28, कोरबा जिले के 17 एवं रायगढ़ जिले के 27) यह चुनाव पूर्णरूप से निष्पक्ष संपन्न हुआ। छात्र संघ के विभिन्न पदाधिकारियों एवं कक्षा प्रतिनिधि के चुनाव 16.08.2014 से 27.08.2014 तक सभी 112 महाविश्वविद्यालयों में संपन्न हुए। चुनाव का द्वितीय चरण विश्वविद्यालय चुनाव विश्वविद्यालय परिसर में 28.8.2014 से 02.09.2014 तक संपन्न हुआ। छात्र संघ चुनाव, चुनाव अध्यादेश क्रमांक 01 एवं 02 के अन्तर्गत संपन्न हुए। 2014–15 में विश्वविद्यालय छात्र संघ परिषद में श्री केतन सिह अध्यक्ष, कु. आकांक्षा पटनायक उपाध्यक्ष, श्री भीम शंकर आचार्य सचिव एवं आदित्य तिवारी सहसचिव निर्वाचित हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जी.डी. शर्मा ने सभी विश्वविद्यालय छात्र संघ पदाधिकारियों को शपथ दिलाई एवं विश्वविद्यालय के अंतर्गत जिलों के लिए दो–दो प्रतिनिधि नियुक्त किए। जिनकी सूची निम्नानुसार है :–

क्रमांक	जिले का नाम	छात्र संघ प्रतिनिधियों के नाम
1.	बिलासपुर	कु. श्वेता यादव, कु. अल्का मौर्य
2.	रायगढ़	जय प्रकाश तिग्गा, कु. ममता यादव
3.	कोरबा	राहुल कुमार, दिलेश्वर पटेल
4.	मुँगेली	कु. वंदना, भागवत जाँगड़े
5.	जाँजगीर–चाम्पा	रामकुमार चन्द्रा, प्रतीक जिंदल

शपथ ग्रहण समारोह दिनांक 04.10.2014 को
बिलासा सभागार बिलासपुर विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न हुआ।

बॉयोटेक्नालॉजी पार्क स्थापित करने हेतु निरीक्षण

छ.ग. शासन, छत्तीसगढ़ राज्य में औद्यौगिक बॉयोटेक्नालॉजी पार्क स्थापित करने में विशेश रूचि रखते हुए इसक लिए निवेश करने के इच्छुक है, क्योंकि इसकी स्थापना से छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग इस क्षेत्र में किया जा सकेगा। इस परियोजना को साकार करने में चिप्स एवं बी.सी.आई.एल.(बॉयोटेक कार्न्सोटोरिम इन्डिया लिमिटेड) जो भारत सरकार बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग से संबद्ध है विशेश रूचि दिखाते हुए छत्तीसगढ़ राज्य में बॉयोटेक्नोलॉजी पार्क स्थापित करना चाहते हैं।

विभिन्न संस्थानों एवं व्यवसायिक संस्थान बी.सी.आई.एल. द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में बॉयोटेक पार्क को स्थापित कर रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु विभिन्न शासकीय निकायो, संस्थानों तथा व्यवसायिक प्रतिश्ठानों से संपर्क किया गया।

जीव विज्ञान के क्षेत्र में बिलासपुर विश्वविद्यालय में शोध कार्य द्वारा नये विकल्प स्थापित हो रहा है। बिलासपुर विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव शास्त्र एवं जैवसूचना विज्ञान विभाग के डॉ. एस. के. शुक्ला, असिंस्टेंट जनरल मैनेजर, बी.सी.आई.एल द्वारा दिनांक 16.3.2015 को निरीक्षण किया गया।

बैठकें
विद्या परिषद की बैठक

बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर के सभागार में दिनाँक 15.07.2014, 27.03.2015 एवं 18.04.2015 को बैठकें आयोजित हुई तथा विद्या परिशद की स्थाई समिति की बैठक दिनाँक 12.09.2014, 27.03.2015, 18.04.2015 एवं 11.08.2015 को आयोजित हुईं। इस सभी बैठकों में अधिकतम सदस्य एवं अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो. जी.डी. शर्मा, सचिव डॉ. अरूण कुमार सिंह एवं विशेश आमंत्रित डॉ.यू.के. श्रीवास्तव परीक्षा नियंत्रक उपस्थित रहे। बैठकों में कुल 38 प्रस्तावों पर चर्चा हुई एवं कुलपति प्रो. जी.डी.शर्मा ने एन.के.एन. सुविधा की जानकारी सदस्यों को प्रदान की। उन्होने कौशल विकास पाठ्यक्रम एवं नैक मूल्यांकन पर विशेश जोर दिया। उन्होनें बिलासा कन्या महाविद्यालय को नैक मूल्यांकन में ''।'' ग्रेड प्राप्त होने पर बधाई दी। बैठक में पाठ्यक्रमों में विभिन्न विशयों को शामिल करने, सेमेस्टर सिस्टम लागू करने संबंधी प्रस्ताव रखे गये तथा विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रदान की।

कार्य परिषद की बैठक

बिलासपुर विश्वविद्यालय की कार्यपरिशद की बैठक दिनाँक 18.07.2014, 13.09.2014, 29.03.2015, 21.04.2015 एवं 20.08.2015 को कुलपति प्रो.जी.डी. शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें अधिकतम सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक में डॉ. अनिल मुशर्रफ, डॉ. पी.के.पाण्डेय, डॉ. धनराज प्रसाद साहू, डॉ. कल्पना रॉय, डॉ. अरविन्द शर्मा, डॉ. बी.एल. गोयल, डॉ. एस.डी. झा, डॉ. जे.पी. शिवहरे, श्री मोती लाल देवांगन, श्री सुनील कुमार, श्री बद्रीधर दीवान, श्री लखनलाल देवांगन, श्री दिलीप लहरिया, डॉ.अरूण कुमार सिंह, सचिव एवं विशेश आमंत्रित सदस्य डॉ. यू.के.श्रीवास्तव परीक्षा नियंत्रक तथा श्री आर.के.श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी उपस्थित रहे एवं चर्चा में अपनी सहभागिता निभाई।

कुलपति महोदय ने समस्त सदस्यों को विश्वविद्यालय की प्रगति एवं विभिन्न विभागों की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। बैठक में विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की समस्याओं को विश्वविद्यालय कार्य परिशद के समक्ष रखा गया। बैठक का मुख्य बिन्दु विश्वविद्यालय में भविश्य में प्रशासनिक एवं शैंक्षणिक गुणवत्ता में सुधार की योजना रहा।

बिलासपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यशाला संगोष्ठी एवं सम्मेलन

01. ''ट्रेण्ड्स एण्ड एप्लीकेशन इन माइक्रोबायोलॉजी एण्ड बायोइन्फार्मेटिक्स'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

बिलासपुर विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग में सूक्ष्मजीव शास्त्र एवं जैव सूचना विभाग द्वारा सार्क हैदराबाद के सहयोग से दिनांक 22/11/2014 को ''ट्रेण्ड्स एण्ड एप्लीकेशन इन माइक्रोबायोलॉजी एण्ड बायोइन्फार्मेटिक्स'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विशय विशेशज्ञों एवं लाभार्थियों के मध्य विचारों का आदान–प्रदान करना रहा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एस.पी. सिंह, कुलपति गुरूघासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. यशवंत कुमार, अध्यक्ष सार्क रहे तथा कार्यशाला की अध्यक्षता माननीय कुलपति डॉ. जी.डी. शर्मा ने की। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. बी.एन. तिवारी, विभागाध्यक्ष, बायोटेक्नालॉजी विभाग, गुरूघासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर द्वारा ''माइक्रोबायोलॉजी टेक्नालॉजी एण्ड इट्स फ्यूचर प्रोस्पेक्टस'' विशय पर तकनीकी सत्र में अपना आलेख प्रस्तुत किया गया, साथ ही बॉयोइन्फार्मेटिक्स की जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यशाला में डॉ. डी.एस.व्ही.जी.के.कलाधर, श्रीमती स्वाती रोज टोप्पों, डॉ. सीमा ए. बेलोरकर एवं श्री धर्मेन्द्र कश्यप ने इस विशय पर अपने आलेख प्रस्तुत किये तथा कार्यशाला में बॉयोइंफार्मेटिक्स एवं माइक्रोबायोलॉजी से संबंधित विषय पर प्रशिक्षण दिया।

02. ''उच्च शिक्षा सर्वेक्षण'' विषय पर कार्यशाला

बिलासपुर विश्वविद्यालय के ए.आई.एस.एच.ई. सेल द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 19.11.2014 को बिलासा सभागार में किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बिलासपुर विश्वविद्यालय से संबद्ध 162 महाविद्यालयों को अपने संस्थान से संबंधित समस्त जानकारी डी.सी.एफ–प्प फार्म के माध्यम से उपलब्ध कराना जाना रहा।

इस कार्यशाला में कुलपति प्रो. जी.डी. शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विशय से संबंधित प्रारंभिक जानकारी कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार सिंह बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर ने प्रदान की। डॉ. समरेन्द्र सिंह, राज्य नोडल अधिकारी, ए.आई.एस.एच.ई. रायपुर ने ए.आई.एस.एच.ई. ने रूसा, विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं वित्त संबंधी योजनाओं की जानकारी दी तथा श्री के.के.तिवारी, सहायक निदेशक, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली ने डी.सी.एफ. फार्म प्र एवं प्प अपलोड करने की जानकारी प्रदान की।

03 "आटोनॉमी आफ द यूनिवर्सिटीज एण्ड रिलेशन विथ स्टेट" विषय पर कुलपतिगण की राष्ट्रीय संगोष्ठी

माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी द्वारा कार्यशाला का उद्घाटन

भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ए.आई.यू.), नई दिल्ली एवं बिलासपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय में दिनांक 10.12.2014 से 11.12.2014 तक ''आटोनॉमी आफ द यूनिवर्सिटीज एण्ड रिलेशन विथ स्टेट'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण संम्मिलित हुए। इस संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालयों में ज्वलन्त समस्याओं पर परिचर्चा एवं समस्याओं के निराकरण हेतु आयोजित किया गया।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ के माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी, भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ए.आई.यू.), के मुख्य सचिव डॉ. फरकान कमर, छत्तीसगढ़ के राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष श्री सुनील कुमार, भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ए.आई.यू.) के उपनिदेशक एवं शोध प्रमुख डॉ. अमरेन्द्र पाणी एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जी.डी.शर्मा, कुलसचिव डॉ.अरूण कुमार सिंह तथा देश के 30 विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपतिगण एवं विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्राध्यापकगण सम्मिलित हुए।

04. ''एसेस टू ई–रिसोर्सेस यूजीसी–इंफोटेक, डिजिटल लाईब्रेरी एवं एन–लिस्ट प्रोग्राम'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

बिलासपुर विश्वविद्यालय में ''एसेस टू ई–रिसोर्सेस यूजीसी–इंफोटेक, डिजिटल लाईब्रेरी एवं एन–लिस्ट प्रोग्राम'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से श्री अशोक कुमार रॉय, वैज्ञानिक–बी ने ई–लाईब्रेरी तथा एन–लिस्ट की उपयोगिता के संबंध में अपना वक्तव्य दिया तथा महाविद्यालयों से आए प्राचार्यों एवं प्राध्यापकों को आवश्यक जानकारियाँ प्रदान की। इस कार्यशाला में प्राचार्यों को जानकारी दी गई कि महाविद्यालयों को एन–लिस्ट प्रोग्राम का लाभ लेने हेतु मात्र रूपये 5000.00 (पांच हजार रूपये) शुल्क जमा करना होगा।

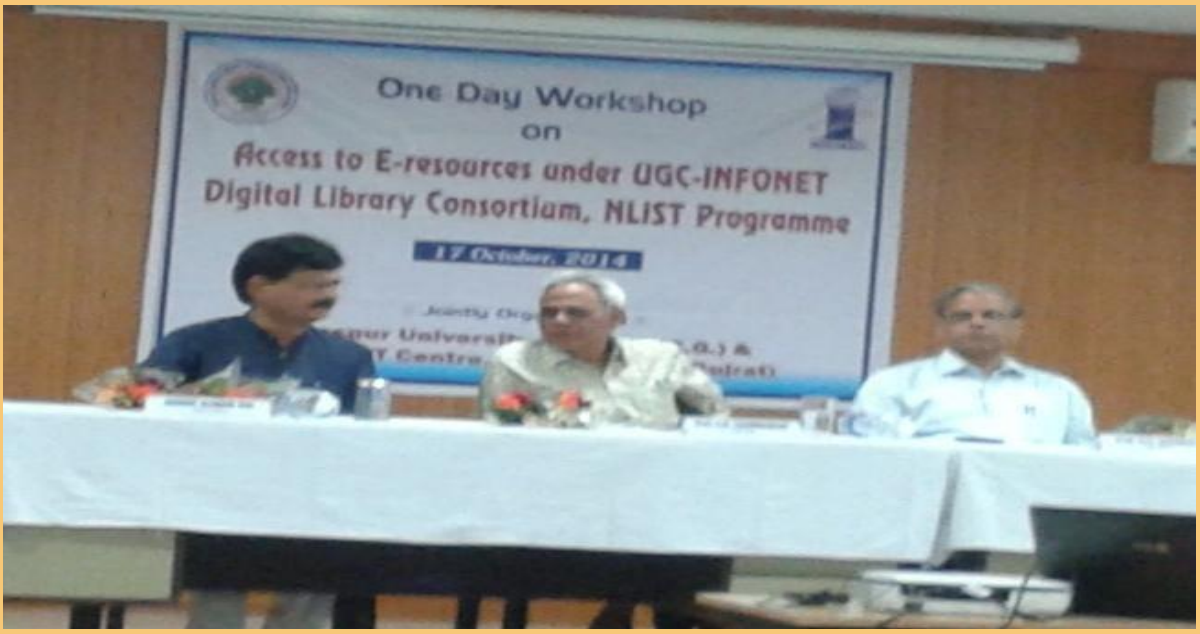

05. अध्यापन कार्य में "आई.सी.टी." की उपयोगिता पर पाँच दिवसीय कार्यशाला

विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग में कार्यरत प्राध्यापकों हेतु दिनांक 10 से 14 नवम्बर 2014 तक पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षण कार्य में आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर छात्र–छात्राओं को बेहतर शिक्षा प्रदान करने संबंधी विषयों पर परिचर्चा की गई।

06. उच्च शिक्षा में गुणवत्ता एवं नैक मुल्यांकन हेतु दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

नैक बैंगलोर एवं बिलासपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 24 एवं 25 फरवरी 2015 को विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्याशाला आयोजित की गई, जिसमें नैक मूल्यांकन की नियमावली, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता तथा नैक मूल्यांकन द्वारा महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता का आंकलन से संबंधित विषयों पर जानकारी प्रदान की गई।

इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.कमल सिंह (कुलपति, एस.जी.बी. अमरावती विश्वविद्यालय), डॉ ए.पी. चौधरी, (कुलपति, ब्रह्मपुर विश्वविद्यालय), प्रो.मीना प्रकाश(मुम्बई), श्री सुनील त्रिवेदी (उच्च शिक्षा सचिव) तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.जी.डी.शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ.यू.के.श्रीवास्तव एवं कुलसचिव डॉ.अरूण कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यशाला के दौरान डॉ. कमल सिंह जी ने नैक मूल्यांकन द्वारा महाविद्यालयों के गुणवत्ता के आंकलन के महत्व की जानकारी दी। उन्होनें बताया कि विद्यार्थियों का मूल्यांकन उनके शिक्षकों द्वारा प्रदत्त ज्ञान एवं कौशल पर आधारित होता है तथा विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे–नेट, स्लेट आदि पर आधारित हों। उक्त कार्यशाला में नैक मूल्यांकन एवं उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर आधारित शोध पत्र भी प्रस्तुत किये गये।

07.''उच्च शिक्षा का बेहतर शिक्षा प्रणाली में योगदान'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

दिनांक 01.03.2015 को विश्वविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बेहतर शिक्षा में उच्च शिक्षा के योगदान पर प्रकाश डाला गया। उक्त कार्यशाला में डॉ. प्रकाश ठाकुर, अध्यक्ष, भारतीय शिक्षण मण्डल, छत्तीसगढ़ उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान शिक्षा के नियम, समाज में शिक्षा, शिक्षा में आधुनिक तकनीक, समर्थ भारत के निर्माण में शिक्षा के योगदान आदि विषयों पर परिचर्चा की गई।

08. "विज्ञान, प्रबंधन एवं तकनीकी में शोध एवं नवाचार" विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन

बिलासपुर विश्वविद्यालय में दिनांक 29 एवं 30 मार्च 2014 को "विज्ञान, प्रबंधन एवं तकनीकी में शोध एवं नवाचार" विषय पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन समारोह दिनांक 29.03.2015 को प्रो.एन.डी.आर. चन्द्रा, कुलपति, बस्तर विश्वविद्यालय के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.जी. डी.शर्मा जी ने विज्ञान एवं तकनीक के प्रबंध में सूचना प्रौद्योगिकी के महत्व की जानकारी दी, तथा सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. एन.मलिक, अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ लाईफ साईन्स, जे.एन.यू. नई दिल्ली मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस सम्मेलन में प्रो.एच.कुमार द्वारा "सी.आर.एम.: वे टू डू बिजनेस सक्सेसफुली", प्रो. ए.के.सक्सेना द्वारा "बिग डेटा", प्रो. एम.आर.पात्रा द्वारा "क्लाउड कम्प्यूटिंग", प्रो. पी.बी.कविकिशोर द्वारा "जेनेटिक्स", डॉ. डी.गोविन्द राव "एथेनोमेडिकल प्लांट" विषय पर व्याख्यान दिया गया गया। इस सम्मेलन के संयोजक डॉ.एच.एस.होता एवं डॉ.डी.एस.व्ही.जी.के.डोलुरू रहें।

09. "सीबीसीएस" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

बिलासपुर विश्वविद्यालय में दिनांक 31.05.2015 को "च्वाईस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सीबीसीएस प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा उच्च शिक्षा के अध्ययन एवं अपनी रूचि अनुसार स्वयं विषयों का चुनाव कर उपाधि प्राप्त करने में इसकी उपयोगिता की जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मोनवेन्द्र दत्त चौधरी, (निदेशक, जीव विज्ञान विभाग असम विश्वविद्यालय) तथा डॉ. सोनमणी बोरा(संभागायुक्त, बिलासपुर) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.जी.डी. शर्मा जी ने कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों द्वारा स्वयं विषयों का चयन कर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के महत्व पर प्रकाश डाला तथा आवश्यकतानुसार सीबीसीएस के पाठ्यक्रम में बदलाव हेतु प्रस्ताव रखने की बात कही।

10. ''सीबीसीएस प्रणाली द्वारा उच्च शिक्षा में कौशल विकास'' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला

बिलासपुर विश्वविद्यालय के चतुर्थ स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 25 जून 2015 को विश्वविद्यालय में ''सीबीसीएस प्रणाली द्वारा उच्च शिक्षा में कौशल विकास'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री प्रेंमप्रकाश पाण्डेय जी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. अजय प्रताप (नोडल अधिकारी, कम्युनिटी कालेज पटना), प्रो.गोपाल डालमिया(सदस्य, पाण्डिचेरी स्टेट इनोवेशन काउंसिल, पाण्डिचेरी), श्री हरीश केड़िया(अध्यक्ष, लघु उद्योग संघ बिलासपुर), प्रो. आर.सी.सोबती (कुलपति, बाबा भीमराव अम्बेडकर विवि लखनऊ) एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.जी.डी.शर्मा जी उपस्थित रहे।

कार्यशाला के दौरान माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय जी द्वारा विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी तथा तीन वर्ष के कार्यकाल में उच्च शिक्षा संस्थानों में तेजी से हुई प्रगति एवं कौशल विकास कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक संचालन हेतु बधाई दी। कार्यशाला के दौरान उन्होने विश्वविद्यालय की न्यूज लेटर का विमोचन किया तथा स्टूडेन्ट लाईफ साईकल मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल का विमोचन किया।

कार्यशाला में प्रो.अजय प्रताप जी ने उच्च शिक्षा में कौशल विकास की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा प्रो.गोपाल डालमिया जी ने ''उद्योग एवं विश्वविद्यालय सहसंबंध'' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

"सी.बी.सी.एस.से उच्च शिक्षा में कौशल विकास" कार्यशाला के उद्घाटन समारोह की झलकियाँ

"विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग की गतिविधियाँ"

अतिथि व्याख्यान

बिलासपुर विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग की स्थापना होने के पश्चात् विश्वविद्यालय में नियमित रूप से सभी विभागों के छात्र–छात्राओं हेतु अतिथि व्याख्यान आयोजित किये जाते हैं। जिसमें विभिन्न क्षेत्र उदाहरण के लिए : कैरियर, स्वास्थ्य, खेल, विज्ञान, वित्त आदि क्षेत्र के प्रख्यात वक्ताओं को व्याख्याता के रूप में आमंत्रित किया जाता है। यह व्याख्यान श्रृंखला एक मंच है, जहां छात्रों और आमंत्रित विशेशज्ञों के बीच विचारों तथा जानकारी का आदान–प्रदान होता है।

तारीख	वक्ता	विषय
27.08.2014	श्री अमित घोषाल	किशोरावस्था में व्यक्तित्व विकास
10/10/2014	श्री अर्नब मंडल, क्षेत्रीय प्रबंधक, इंडियन ऑयल क्रेडा बायोफ्युअल्स लिमिटेड, रायपुर (छत्तीसगढ़)	वर्तमान उद्योग प्रथाए : प्रेरणा एवं जागरूकता
18/10/2014	डॉ. दंडपाड़ी प्रधान अन्वेषक, कृषि अनुसंधान की राष्ट्रीय अकादमी, हैदराबाद,	बायो स्टेटिटिक्स के उपयोग
10/01/2015	प्रो एसके चतुर्वेदी हेड, वनस्पति विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर।	भारतीय उपमहाद्वीप के नगालैंड राज्य के विशेष परिप्रेक्ष में
24/02/2015	मिस अंजली मुखर्जी सहायक। प्राध्यापक, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर।	पर्यावरण प्रदूषण
14/03/2015	श्रीमती रेवती अय्यर नागभीरे , कैरियर काउंसलर	संचार कौशल
21/04/2015	प्रो.पी.के.शर्मा, विभागाध्यक्ष तथा डीन सामाजिक विज्ञान स्कूल, अटल बिहारी बाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय	उच्च शिक्षा और हिन्दी भाषा
06/08/2015	डॉ गोपाल डालमिया सदस्य, राज्य नवाचार परिषद, पांडिचेरी	प्लास्टिक अभिशाप या वरदान

अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान

प्रो. डॉ. मैरी मैकएन्ड्रयु, मोन्ट्रेल विश्वविद्यालय, मोन्ट्रेल ने विश्वविद्यालय में दिनांक 24 से 26 नवंबर 2014 तक अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये।

डॉ. मैकएन्ड्रयु जून 2013 से जून 2006 तक ''एजुकेशन एवं एथानिक रिलेशन'' की अध्यक्ष रही है। एथनिक रिलेशन्स के तीन मुख्य घटकों पर उन्होने प्रकाश डाला।

- **संस्कृति एवं समाजीकरण पर पाठ्यचर्चा**
- **शैक्षणिक निष्पादन एवं गतिशीलता**
- **नीतियों और प्रथाओं का तुलनात्मक दृष्टिकोण**
- **उपरोक्त संदर्भ में उन्होंने निम्नलिखित व्याख्यान दिये**

दिनांक 24.11.2014 व्याख्यान – एक	कनाडा में अप्रवासन, एकता और बहुसंस्कृतिवाद पर नीतियाँ
दिनांक 25.11.2014 व्याख्यान – दो	प्राथमिक विद्यालयों का जातीय सीमाओं को बनाये रखने एवं बदलने की भूमिका
दिनांक 25.11.2014 व्याख्यान – तीन	बिलासपुर विश्वविद्यालय और मॉन्ट्रियल विश्वविद्यालय के बीच सहयोग की सम्भावनाएं (परिचर्चा)
दिनांक 26.11.2014 व्याख्यान	फ्रेंच भाषा का परिचय

महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित "स्वास्थ्य एवं स्वच्छता" पर व्याख्यान

उपरोक्त विशय पर छात्राओं के लिए इस विशेश व्याख्यान का आयोजन किया गया था। इस सत्र में डॉ. रश्मि शर्मा, वरिश्ठ सलाहकार, स्त्री रोग अपोलो अस्पताल, बिलासपुर को आमंत्रित किया गया था। व्याख्यान में डॉ रश्मि शर्मा ने छात्राओं की शारीरिक रचना, उनकी स्वच्छता, रख–रखाव, साफ–सफाई रखने का तरीके से संबंधित जानकारियाँ दी। उन्होने संक्रमण, संक्रमण से रोकथाम, सही समय पर लक्षणों की पहचान तथा उनके बचाव के लिए टीके का प्रावधान पर भी यथोचित प्रकाश डाला। उन्होने सरवाईकल कैंसर, स्तन कैंसर व उनके लक्षणों पर भी चर्चा की। यह व्याख्यान बिलासपुर विश्वविद्यालय के महिला प्रकोश्ठ द्वारा आयोजित किया गया।

श्री सुदर्शन जी पर व्याख्यान

राष्ट्र निर्माण हेतु बिलासपुर विश्वविद्यालय में श्री सुदर्शन प्रेरणा मंच द्वारा आयोजित एक व्याख्यान बिलासा सभागृह में संपन्न किया। जिसमें माननीय अमर अग्रवाल जी, माननीय कुलपति प्रो. जी.डी. शर्मा तथा अन्य विशिश्ठ अतिथि मँचासीन रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

विश्व योग दिवस के अवसर पर बिलासपुर विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति जी की उपस्थिति में सभी शैक्षणिक तथा अशैक्षणिक अधिकारियों, कर्मचारियों, प्राध्यापकों एवं छात्र–छात्राओं ने दिनांक 21 जून 2015 को योग दिवस में सहभागिता प्रदर्शित की। विश्वविद्यालय में मूल योग व्याख्यान तथा प्रदर्शन श्रृंखला 19 जून से 21 जून तक आयोजित की गई। योग सत्र योग प्रशिक्षकों की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

बिलासपुर विश्वविद्यालय की राज्योत्सव में सहभागिता

बिलासपुर विश्वविद्यालय ने दिनांक 01, 02 तथा 03 नवम्बर 2014 को राज्योत्सव बिलासपुर तथा रायपुर में सहभागिता दी। विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान एवं जैवसूचना विभाग के छात्र–छात्राओं ने ''ब्लड ग्रुपिंग'' का कैंप लगाया तथा होटल प्रबंधन एवं आतिथ्य विभाग के छात्र–छात्राओं ने अपनी ''मॉकटेल'' बनाने की कला को जनता के समक्ष प्रदर्शित किया।

बिलासपुर विश्वविद्यालय की व्यापार मेला 2015 में सहभागिता

बिलासपुर विश्वविद्यालय के होटल प्रबंधन एवं आतिथ्य विभाग ने बिलासपुर में दिनांक 09 से 15 जनवरी 2015 तक आयोजित व्यापार मेला 2015 में सक्रिय सहभागिता दर्शायी। इस विभाग के छात्रों ने काश्मिरी चाय, चॉकलेट, पेस्ट्रीस, बर्गर तथा सैंडविचेस बनाकर प्रदर्शनार्थियों के समक्ष क्रय हेतु प्रस्तुत किया। यह शिक्षक तथा छात्र–छात्राओं के लिए नवीनतम तथा सफल अनुभव रहा।

"सृजन 2015" की झलकियाँ

स्वच्छ भारत अभियान

विश्वविद्यालय में स्वच्छ भारत अभियान दो चरणों में प्रारंभ किया गया । प्रथम चरण दिनांक 30.09.2014 और द्वितीय चरण दिनांक 02.10.2014, गांधी जयंती के अवसर पर संपन्न हुआ। गांधी जयंती के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर और प्रांगण को स्वच्छ रखने के लिए प्रतिसप्ताह 01 घण्टे का श्रम दान देने की प्रतिज्ञा ली गई तथा स्वच्छ भारत मिशन में शामिल हुए।

सूक्ष्मजीव विज्ञान एवं जैवसूचना विभाग के छात्र–छात्राओं द्वारा

देवभोग दुग्ध उत्पाद केन्द्र, कोनी (बिलासपुर) का औद्योगिक क्षेत्र भ्रमण

विश्वविद्यालय के सूक्ष्मजीव विज्ञान एवं जैवसूचना विभाग के छात्र–छात्राओं के द्वारा औद्यागिक क्षेत्र भ्रमण के तहत् बिलासपुर के कोनी क्षेत्र में स्थित देवभोग दुग्ध उत्पाद केन्द्र का दिनांक 21 फरवरी 2015 को भ्रमण किया गया। यह भ्रमण छात्र–छात्राओं के लिए अत्यन्त लाभकारी सिद्ध हुआ। भ्रमण के दौरान छात्र–छात्रओं ने विभिन्न दुग्ध उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया एवं इसकी उपयोगिता के संबंध में जानकारियाँ प्राप्त की साथ ही दुग्ध उत्पादों के गुणवत्ता मापन की विधियों की जानकारियाँ भी प्राप्त की।